Psa

Chapter 107

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

הֹדוּ	לַיהוָה	כִּי־	טוֹב	כִּי	לְעוֹלָם	חַסְדּוֹ׃
धन्यवाद-करो	यहोवा-का	क्योंकि-	भला	क्योंकि	सदा	उसकी-कृपा
H3034	H3068				H5769	

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह उत्तम है। उसका प्रेम अमर है।

2

יֹאמְרוּ	גְּאוּלֵי	יְהוָה	אֲשֶׁר	גְּאָלָם	מִיַּד־	צָר׃
कहें	छुड़ाए-हुए	यहोवा-के	जिन्हें	उसने-छुड़ाया	हाथ-से-	शत्रु
H0559		H3068			H3027	

हर कोई ऐसा व्यक्ति जिसे यहोवा ने बचाया है, इन राष्ट्रों को कहे। हर कोई ऐसा व्यक्ति जिसे यहोवा ने अपने शत्रुओं से छुड़ाया उसके गुण गाओ।

3

וּמֵאֲרָצוֹת	קִבְּצָם	מִמִּזְרָח	וּמִמַּעֲרָב	מִצָּפוֹן	וּמִיָּם׃
और-देशों-से	उसने-इकट्ठा-किया-उन्हें	पूरब-से	और-पश्चिम-से	उत्तर-से	और-समुद्र-से
H0776	H6908	H4217	H4628	H6828	H3220

यहोवा ने निज भक्तों को बहुत से अलग अलग देशों से इकट्ठा किया है। उसने उन्हें पूर्व और पश्चिम से, उत्तर और दक्षिण से जुटाया है।

4

תָּעוּ	בַמִּדְבָּר	בִּישִׁימוֹן	דָּרֶךְ	עִיר	מוֹשָׁב	לֹא	מָצָאוּ׃
वे-भटके	जंगल-में	उजाड़-में	मार्ग	नगर	निवास-का	नहीं	उन्होंने-पाया
H8582		H3452	H1870		H4186	H3808	H4672

कुछ लोग निर्जन मरूभूमि में भटकते रहे। वे लोग ऐसे एक नगर की खोज में थे जहाँ वे रह सकें। किन्तु उन्हें कोई ऐसा नगर नहीं मिला।

5

רְעֵבִים	גַּם־	צְמֵאִים	נַפְשָׁם	בָּהֶם	תִּתְעַטָּף׃
भूखे	और-	प्यासे	उनकी-जान	उन-में	मूर्छित-हो-गई
H7457	H1571	H6771	H5315		

वे लोग भूखे थे और प्यासे थे और वे दुर्बल होते जा रहे थे।

6

וַיִּצְעֲקוּ	אֶל־	יְהוָה	בַּצַּר	לָהֶם	מִמְּצוּקוֹתֵיהֶם	יַצִּילֵם׃
और-उन्होंने-दुहाई-दी	–	यहोवा-को	संकट-में	उनके	उनकी-कष्टों-से	उसने-छुड़ाया-उन्हें
H6817	H0413	H3068		H1992	H4691	H5337

ऐसे उस संकट में सहारा पाने को उन्होंने यहोवा को पुकारा। यहोवा ने उन सभी लोगों को उनके संकट से बचा लिया।

7

וַיַּדְרִיכֵם	בְּדֶרֶךְ	יְשָׁרָה	לָלֶכֶת	אֶל־	עִיר	מוֹשָׁב׃
और-उसने-चलाया-उन्हें	मार्ग-में	सीधे	जाने-के-लिए	–	नगर	निवास-के
H1869	H1870	H3477	H3212	H0413		H4186

परमेश्वर उन्हें सीधा उन नगरों में ले गया जहाँ वे बसेंगे।

8

יוֹדוּ	לַיהוָה	חַסְדּוֹ	וְנִפְלְאוֹתָיו	לִבְנֵי	אָדָם׃
वे-धन्यवाद-करें	यहोवा-का	उसकी-कृपा-के-लिए	और-उसके-आश्चर्यों-के-लिए	आदम-के-सन्तानों-के-लिए	आदम
H3034	H3068		H6381		H0120

परमेश्वर का धन्यवाद करो उसके प्रेम के लिये और उन अद्भुत कर्मों के लिये जिन्हें वह अपने लोगों के लिये करता है।

9

כִּי־	הִשְׂבִּיעַ	נֶפֶשׁ	שֹׁקֵקָה	וְנֶפֶשׁ	רְעֵבָה	מִלֵּא־	טוֹב׃
क्योंकि-	उसने-तृप्त-किया	जान-को	तड़पती	और-जान-को	भूखी	उसने-भरा-	भलाई-से
	H7646	H5315	H8264	H5315	H7457	H4390	

प्यासी आत्मा को परमेश्वर सन्तुष्ट करता है। परमेश्वर उत्तम वस्तुओं से भूखी आत्मा का पेट भरता है।

וּבַרְזֶל׃	עֳנִי	אֲסִירֵי	וְצַלְמָוֶת	חֹשֶׁךְ	יֹשְׁבֵי	10
और-लोहे-के	दुख-के	बन्दी	और-मृत्यु-छाया-में	अंधकार-में	बैठने-वाले	
H1270	H6040	H0615	H6757	H2822	H3427	

परमेश्वर के कुछ भक्त बन्दी बने ऐसे बन्दीगृह में, वे तालों में बंद थे, जिसमें घना अंधकार था।

נָאָצוּ׃	עֶלְיוֹן	וַעֲצַת	אֵל	אִמְרֵי־	הִמְרוּ	כִּי־	11
उन्होंने-तुच्छ-जाना	परमप्रधान-की	और-योजना-को	एल-के	वचनों-के-	वे-विद्रोही-हुए	क्योंकि-	
H5006		H6098	H0410	H0561	H4784		

क्यों क्योंकि उन लोगों ने उन बातों के विरूद्ध लड़ाईयाँ की थी जो परमेश्वर ने कहीं थी, परम परमेश्वर की सम्मति को उन्होंने सुनने से नकारा था।

עֹזֵר׃	וְאֵין	כָּשְׁלוּ	לִבָּם	בֶּעָמָל	וַיַּכְנַע	12
सहायक	और-नहीं-था	वे-लड़खड़ाए	उनका-हृदय	परिश्रम-से	और-उसने-दबाया	
H5826	H0369	H3782		H5999	H3665	

परमेश्वर ने उनके कर्मो के लिये जो उन्होंने किये थे उन लोगों के जीवन को कठिन बनाया। उन्होंने ठोकर खाई और वे गिर पड़े, और उन्हें सहारा देने कोई भी नहीं मिला।

יוֹשִׁיעֵם׃	מִמְּצֻקוֹתֵיהֶם	לָהֶם	בַּצַּר	יְהוָה	אֶל־	וַיִּזְעֲקוּ	13
उसने-बचाया-उन्हें	उनकी-कष्टों-से	उनके	संकट-में	यहोवा-को	-	और-उन्होंने-दुहाई-दी	
H3467	H4691	H1992		H3068	H0413	H2199	

वे व्यक्ति संकट में थे, इसलिए सहारा पाने को यहोवा को पुकारा। यहोवा ने उनके संकटों से उनकी रक्षा की।

יְנַתֵּק׃	וּמוֹסְרוֹתֵיהֶם	וְצַלְמָוֶת	מֵחֹשֶׁךְ	יוֹצִיאֵם	14
उसने-तोड़ा	और-उनके-बन्धनों-को	और-मृत्यु-छाया-से	अंधकार-से	उसने-निकाला-उन्हें	
H5423	H4147	H6757	H2822	H3318	

परमेश्वर ने उनको उनके अंधेरे कारागारों से उबार लिया। परमेश्वर ने वे रस्से काटे जिनसे उनको बाँधा गया था।

אָדָם׃	לִבְנֵי	וְנִפְלְאוֹתָיו	חַסְדּוֹ	לַיהוָה	יוֹדוּ	15
आदम	आदम-के-सन्तानों-के-लिए	और-उसके-आश्चर्यो-के-लिए	उसकी-कृपा-के-लिए	यहोवा-का	वे-धन्यवाद-करें	
H0120		H6381		H3068	H3034	

यहोवा का धन्यवाद करो। उसके प्रेम के लिये और उन अद्भुत कामों के लिये जिन्हें वह लोगों के लिये करता है उसका धन्यवाद करो।

גִּדֵּעַ׃	בַרְזֶל	וּבְרִיחֵי	נְחֹשֶׁת	דַּלְתוֹת	שִׁבַּר	כִּי־	16
उसने-काटा	लोहे-के	और-अर्गलों-को	तांबे-के	दरवाज़े	उसने-तोड़ा	क्योंकि-	
H1438	H1270	H1280			H7665		

परमेश्वर हमारे शत्रुओं को हराने में हमें सहायता देता है। उनके काँसे के द्वारों को परमेश्वर तोड़ गिरा सकता है। परमेश्वर उनके द्वारों पर लगी लोहे कि आगलें छिन्न—भिन्न कर सकता है।

יִתְעַנּוּ׃	וּמֵעֲוֺנֹתֵיהֶם	פִּשְׁעָם	מִדֶּרֶךְ	אֱוִלִים	17
वे-दुखी-होते-थे	और-अपने-अधर्मो-के-कारण	अपने-अपराध-के	मार्ग-से	मूर्ख	
	H5771	H6588	H1870	H0191	

कुछ लोग अपने अपराधों और अपने पापों से जड़मति बने।

מָוֶת׃	שַׁעֲרֵי	עַד־	וַיַּגִּיעוּ	נַפְשָׁם	תְּתַעֵב	אֹכֶל	כָּל־	18
मृत्यु	द्वारों-के	तक-	और-वे-पहुंचे	उनकी-जान	घृणा-करती-थी	भोजन	सब-	
H4194	H8179	H5704	H5060	H5315	H8581	H0400	H3605	

उन लोगों ने खाना छोड़ दिया और वे मरे हुए से हो गये।

יוֹשִׁיעֵם׃	מִמְּצֻקוֹתֵיהֶם	לָהֶם	בַּצַּר	יְהוָה	אֶל־	וַיִּזְעֲקוּ	19
उसने-बचाया-उन्हें	उनकी-कष्टों-से	उनके	संकट-में	यहोवा-को	-	और-उन्होंने-दुहाई-दी	
H3467	H4691	H1992		H3068	H0413	H2199	

वे संकट में थे सो उन्होंने सहायता पाने को यहोवा को पुकारा। यहोवा ने उन्हें उनके संकटों से बचा लिया।

20

יִשְׁלַח	דְּבָרוֹ	וְיִרְפָּאֵם	וִימַלֵּט	מִשְּׁחִיתוֹתָם׃	׀
उसने-भेजा	अपना-वचन	और-उसने-चंगा-किया-उन्हें	और-बचाया	उनके-गड्ढों-से	।
H7971	H1697	H7495	H4422	H7825	

परमेश्वर ने आदेश दिया और लोगों को चँगा किया। इस प्रकार वे व्यक्ति कब्रों से बचाये गये।

21

יוֹדוּ	לַיהוָה	חַסְדּוֹ	וְנִפְלְאוֹתָיו	לִבְנֵי	אָדָם׃	׀
वे-धन्यवाद-करें	यहोवा-का	उसकी-कृपा-के-लिए	और-उसके-आश्चर्यो-के-लिए	आदम-के-सन्तानों-के-लिए	आदम	।
H3034	H3068		H6381		H0120	

उसके प्रेम के लिये यहोवा का धन्यवाद करो उसके वे अद्भुत कामों के लिये उसका धन्यवाद करो जिन्हें वह लोगों के लिये करता है।

22

וְיִזְבְּחוּ	זִבְחֵי	תוֹדָה	וִיסַפְּרוּ	מַעֲשָׂיו	בְּרִנָּה׃	׀
और-वे-चढ़ाएं	बलिदान	धन्यवाद-के	और-वे-बताएं	उसके-कार्यों-को	जयजयकार-के-साथ	।
H2076	H2077	H8426		H4639	H7440	

यहोवा को धन्यवाद देने बलि अर्पित करो, सभी कार्मो को जो उसने किये हैं। यहोवा ने जिनको किया है, उन बातों को आनन्द के साथ बखानो।

23

יוֹרְדֵי	הַיָּם	בָּאֳנִיּוֹת	עֹשֵׂי	מְלָאכָה	בְּמַיִם	רַבִּים׃	׀
उतरने-वाले	समुद्र-में	जहाज़ों-में	करने-वाले	काम	पानी-में	बहुत	।
H3381	H3220	H0591		H4399	H4325		

कुछ लोग अपने काम करने को अपनी नावों से समुद्र पार कर गये।

24

הֵמָּה	רָאוּ	מַעֲשֵׂי	יְהוָה	וְנִפְלְאוֹתָיו	בִּמְצוּלָה׃	׀
वे	देखते-हैं	कार्यों-को	यहोवा-के	और-उसके-आश्चर्यो-को	गहराई-में	।
H1992	H7200	H4639	H3068	H6381	H4688	

उन लोगों ने ऐसी बातों को देखा है जिनको यहोवा कर सकता है। उन्होंने उन अद्भुत बातों को देखा है जिन्हें यहोवा ने सागर पर किया है।

25

וַיֹּאמֶר	וַיַּעֲמֵד	רוּחַ	סְעָרָה	וַתְּרוֹמֵם	גַּלָּיו׃	׀
और-उसने-कहा	और-खड़ा-किया	हवा	आंधी-की	और-उठाई	उसकी-लहरें	।
H0559	H5975	H7307			H1530	

परमेश्वर ने आदेश दिया, फिर एक तीव्र पवन तभी चलने लगी। बड़ी से बड़ी लहरे आकार लेने लगी।

26

יַעֲלוּ	שָׁמַיִם	יֵרְדוּ	תְהוֹמוֹת	נַפְשָׁם	בְּרָעָה	תִתְמוֹגָג׃
वे-चढ़ते-हैं	आकाश	वे-उतरते-हैं	गहराइयों-में	उनकी-जान	बुराई-में	पिघल-जाती-है
H5927	H8064	H3381	H8415	H5315		H4127

लहरे इतनी ऊपर उठीं जितना आकाश हो तूफान इतना भयानक था कि लोग भयभीत हो गये।

27

יָחוֹגּוּ	וְיָנוּעוּ	כַּשִּׁכּוֹר	וְכָל־	חָכְמָתָם	תִּתְבַּלָּע׃
वे-लड़खड़ाते-हैं	और-डगमगाते-हैं	मतवाले-की-तरह	और-सब-	उनकी-बुद्धि	निगल-जाती-है
H2287	H5128	H7910	H3605	H2451	H1104

लोग लड़खड़ा रहे थे, गिरे जा रहे थे जैसे नशे में धुत हो। खिवैया उनकी बुद्धि जैसे व्यर्थ हो गयी हो।

28

וַיִּצְעֲקוּ	אֶל־	יְהוָה	בַּצַּר	לָהֶם	וּמִמְּצוּקֹתֵיהֶם	יוֹצִיאֵם׃
और-उन्होंने-दुहाई-दी	-	यहोवा-को	संकट-में	उनके	और-उनकी-कष्टों-से	उसने-निकाला-उन्हें
H6817	H0413	H3068		H1992	H4691	H3318

वे संकट में थे सो उन्होंने सहायता पाने को यहोवा को पुकारा। तब यहोवा ने उनको संकटों से बचा लिया।

29

יָקֵם	סְעָרָה	לִדְמָמָה	וַיֶּחֱשׁוּ	גַּלֵּיהֶם׃
उसने-शान्त-किया	आंधी-को	स्तब्धता-में	और-शान्त-हुईं	उनकी-लहरें
		H1827	H2814	H1530

परमेश्वर ने तूफान को रोका और लहरें शांत हो गयी।

30

וַיִּשְׂמְחוּ	כִּי־	יִשְׁתְּקוּ	וַיַּנְחֵם	אֶל־	מְחוֹז	חֶפְצָם׃
और-वे-आनन्दित-हुए	क्योंकि-	शान्त-हुई	और-उसने-पहुंचाया-उन्हें	-	बन्दरगाह-को	उनकी-इच्छा-के
H8055		H8367	H5148	H0413	H4231	H2656

खिवैया प्रसन्न थे कि सागर शांत हुआ था। परमेश्वर उनको उसी सुरक्षित स्थान पर ले गया जहाँ वे जाना चाहते थे।

31

יוֹדוּ	לַיהוָה	חַסְדּוֹ	וְנִפְלְאוֹתָיו	לִבְנֵי	אָדָם׃
वे-धन्यवाद-करें	यहोवा-का	उसकी-कृपा-के-लिए	और-उसके-आश्चर्यों-के-लिए	आदम-के-सन्तानों-के-लिए	आदम
H3034	H3068		H6381		H0120

यहोवा का धन्यवाद करो उसके प्रेम के लिये धन्यवाद करो उन अद्भुत कामों के लिये जिन्हें वह लोगों के लिये करता है।

32

וִירֹמְמוּהוּ	בִּקְהַל־	עָם	וּבְמוֹשַׁב	זְקֵנִים	יְהַלְלוּהוּ׃
और-वे-उसे-ऊंचा-करें	सभा-में-	लोगों-की	और-बैठक-में	प्राचीनों-की	वे-उसकी-स्तुति-करें
H6951			H4186	H2205	

महासभा के बीच उसका गुणगान करो। जब बुजुर्ग नेता आपस में मिलते हों उसकी प्रशंसा करों।

33

יָשֶׂם	נְהָרוֹת	לְמִדְבָּר	וּמֹצָאֵי	מַיִם	לְצִמָּאוֹן׃	
वह-बनाता-है	नदियों-को	जंगल-में	और-झरनों-को	पानी	प्यास-में	
	H5104		H4161	H4325	H6774	

परमेश्वर ने नदियाँ मरूभूमि में बदल दीं। परमेश्वर ने झरनों के प्रवाह को रोका।

34

אֶרֶץ	פְּרִי	לִמְלֵחָה	מֵרָעַת	יֹשְׁבֵי	בָּהּ׃	
देश	फलदार	नमक-की-भूमि-में	बुराई-के-कारण	बसने-वालों-की	उस-में	
H0776	H6529	H4420		H3427		

परमेश्वर ने उपजाऊँ भूमि को व्यर्थ की रेही भूमि में बदल दिया। क्यों क्योंकि वहाँ बसे दुष्ट लोगों ने बुरे कर्म किये थे।

35

יָשֶׂם	מִדְבָּר	לַאֲגַם־	מַיִם	וְאֶרֶץ	צִיָּה	לְמֹצָאֵי	מָיִם׃
वह-बनाता-है	जंगल	तालाब-	पानी-का	और-देश	सूखी	झरनों-को	पानी
		H0098	H4325	H0776	H6723	H4161	H4325

और परमेश्वर ने मरूभूमि को झीलों की धरती में बदला। उसने सूखी धरती से जल के स्रोत बहा दिये।

36

וַיּוֹשֶׁב	שָׁם	רְעֵבִים	וַיְכוֹנְנוּ	עִיר	מוֹשָׁב׃	
और-उसने-बसाया	वहां	भूखों-को	और-उन्होंने-स्थापित-किया	नगर	निवास-का	
H3427	H8033	H7457			H4186	

परमेश्वर भूखे जनों को उस अच्छी धरती पर ले गया और उन लोगों ने अपने रहने को वहाँ एक नगर बसाया।

37

וַיִּזְרְעוּ	שָׂדוֹת	וַיִּטְּעוּ	כְּרָמִים	וַיַּעֲשׂוּ	פְּרִי	תְבוּאָה׃
और-उन्होंने-बोए	खेत	और-उन्होंने-लगाए	दाख-की-बारियां	और-उन्होंने-बनाया	फल	उपज-का
H2232		H5193	H3754		H6529	H8393

फिर उन लोगों ने अपने खेतों में बीजों को रोप दिया। उन्होंने बगीचों में अंगूर रोप दिये, और उन्होंने एक उत्तम फसल पा ली।

38

וַיְבָרְכֵם	וַיִּרְבּוּ	מְאֹד	וּבְהֶמְתָּם	לֹא	יַמְעִיט׃	
और-उसने-आशीष-दिया-उन्हें	और-वे-बहुत-हुए	बहुत	और-उनके-पशुओं-को	नहीं	उसने-घटने-दिया	
H1288		H3966	H0929	H3808	H4591	

परमेश्वर ने उन लोगों को आशिर्वाद दिया। उनके परिवार फलने फूलने लगे। उनके पास बहुत सारे पशु हुए।

39

וַיִּמְעֲטוּ	וַיָּשֹׁחוּ	מֵעֹצֶר	רָעָה	וְיָגוֹן׃		׀
और-वे-घट-गए	और-झुक-गए	अत्याचार-से	बुराई	और-दुख		।
H4591	H7817	H6115		H3015		

उनके परिवार विनाश और संकट के कारण छोटे थे और वे दुर्बल थे।

40	שֹׁפֵךְ	בּוּז	עַל־	נְדִיבִים	וַיַּתְעֵם	בְּתֹהוּ	לֹא־	דָּרֶךְ׃
	उड़ेलने-वाला	अपमान	पर-	श्रेष्ठों	और-उसने-भटकाया-उन्हें	उजाड़-में	बिना-	मार्ग
	H8210	H0937		H5081	H8582	H8414	H3808	H1870

परमेश्वर ने उनके प्रमुखों को कुचला और अपमानित किया था। परमेश्वर ने उनको पथहीन मरूभूमि में भटकाया।

41	וַיְשַׂגֵּב	אֶבְיוֹן	מֵעֹנִי	וַיָּשֶׂם	כַּצֹּאן	מִשְׁפָּחוֹת׃
	और-उसने-ऊंचा-किया	दीन-को	दुख-से	और-उसने-रखा	भेड़ों-की-तरह	परिवारों-को
	H7682	H0034	H6040		H6629	H4940

किन्तु परमेश्वर ने तभी उन दीन लोगों को उनकी याचना से बचा कर निकाल लिया। अब तो उनके घराने बड़े हैं, उतने बड़े जितनी भेड़ों के झुण्ड।

42	יִרְאוּ	יְשָׁרִים	וְיִשְׂמָחוּ	וְכָל־	עַוְלָה	קָפְצָה	פִיהָ׃
	देखेंगे	सीधे	और-आनन्दित-होंगे	और-सब-	अन्याय	बंद-करेगी	अपना-मुंह
	H7200	H3477	H8055	H3605		H7092	H6310

भले लोग इसको देखते हैं और आनन्दित होते हैं, किन्तु कुटिल इसको देखते हैं और नहीं जानते कि वे क्या कहें।

43	מִי־	חָכָם	וְיִשְׁמָר־	אֵלֶּה	וְיִתְבּוֹנְנוּ	חַסְדֵי	יְהוָה׃
	कौन-	बुद्धिमान	और-पालन-करे-	ये	और-वे-समझेंगे	कृपाओं-को	यहोवा-की
	H4310	H2450	H8104	H0428	H0995		H3068

यदि कोई व्यक्ति विवेकी है तो वह इन बातों को याद रखेगा। यदि कोई व्यक्ति विवेकी है तो वह समझेगा कि सचमुच परमेश्वर का प्रेम कैसा है।